Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01840

जून, 2015

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के वैचारिक आधारों की चर्चा कीजिए । *10*

2. दलित पैंथर आंदोलन का मराठी दलित साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । *10*

3. 'हरिजन गाथा' के आधार पर हिन्दी कवि नागार्जुन की दलित संवेदना पर प्रकाश डालिए । *10*

4. दलित साहित्य की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

5. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के विचारों का दलित साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए । *10*

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर के सामाजिक आंदोलन की समीक्षा कीजिए । *10*

7. श्री नारायण गुरु के समाज सुधार-सम्बन्धी प्रयासों का परिचय दीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) ज्योतिबा फुले का सामाजिक चिंतन

   (ख) प्रेमचंद और दलित चेतना

   (ग) हिंदू कोड बिल

   (घ) अछूतानंद

9. "दलित साहित्य में आत्मकथाएँ अपना विशिष्ट स्थान रखती हैं ।" इस कथन पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए । *10*

10. हिन्दी दलित साहित्य के वर्तमान परिदृश्य का मूल्यांकन कीजिए । *10*

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02331

दिसम्बर, 2015

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य की अवधारणा स्पष्ट कीजिए । *10*

2. प्रेमचंद के कथा साहित्य में अभिव्यक्त दलित संवेदना पर विचार कीजिए । *10*

3. दलित उत्थान में ज्योतिबा फुले के योगदान पर प्रकाश डालिए । *10*

4. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में दलित मुक्ति के लिए चलाए गए प्रमुख आंदोलनों का उल्लेख कीजिए । *10*

5. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के नारी-सम्बन्धी चिंतन की विवेचना कीजिए । *10*

6. अछूतानंद के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. हीरा डोम की कविता "अछूत की शिकायत" में अभिव्यक्त दलित चेतना की विवेचना कीजिए । *10*

8. दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्रीय प्रतिमानों का परिचय दीजिए । *10*

9. दलित आलोचना के विभिन्न पक्षों पर विचार कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) निराला साहित्य में दलित

(ख) दलित पैंथर आंदोलन

(ग) पेरियार का धर्म-चिंतन

(घ) दलित आत्मकथा का महत्त्व

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

02526

जून, 2016

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित-साहित्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए । *10*

2. मराठी दलित-साहित्य के विकास में नामदेव ढसाल के योगदान का उल्लेख कीजिए । *10*

3. प्रेमचंद के साहित्य में व्यक्त दलित-संवेदना पर प्रकाश डालिए । *10*

4. भारतीय दलित-साहित्य पर भीमराव आम्बेडकर के विचारों का क्या प्रभाव पड़ा ? विश्लेषण कीजिए । *10*

5. महात्मा फुले के विचारों ने दलित-साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया ? समीक्षा कीजिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. अछूतानंद के साहित्य में व्यक्त सामाजिक चेतना को रेखांकित कीजिए । *10*

7. दलित-लेखकों को केन्द्र में रख कर दलित-साहित्य के सौन्दर्य-शास्त्र पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) नारायण गुरु

   (ख) निराला की दलित चेतना

   (ग) हीराडोम की कविता 'अछूत की शिकायत'

   (घ) डॉ. आम्बेडकर के नारी-संबंधी विचार

9. दलित-साहित्य में मिथकों के प्रयोग का उद्देश्य क्या है ? विश्लेषण कीजिए । *10*

10. दलित-कहानियों के आधार पर यह स्पष्ट कीजिए कि वे प्रेमचंद की कहानियों से किस प्रकार भिन्न हैं । *10*

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

01335

दिसम्बर, 2016

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

*नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों पर प्रकाश डालिए । *10*

2. किन सामाजिक एवं धार्मिक कारणों ने दलित साहित्य के उदय की पृष्ठभूमि तैयार की ? स्पष्ट कीजिए । *10*

3. दलित साहित्य की भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *10*

4. बौद्ध धम्म के वैचारिक आधारों ने दलित साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया है ? विश्लेषण कीजिए । *10*

5. मराठी दलित साहित्य के विकास में 'राजा ढाले' के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

6. स्वानुभूति तथा सहानुभूति के आधार पर दलित साहित्य तथा ग़ैर-दलित साहित्य के अंतर को स्पष्ट कीजिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. दलित साहित्य के सौन्दर्य-शास्त्र पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) दलित की परिभाषा

   (ख) निराला की रचना 'चतुरी चमार'

   (ग) नागार्जुन

   (घ) महात्मा फुले

9. प्रेमचंद की कहानियों में अभिव्यक्त दलित यथार्थ पर प्रकाश डालिए । *10*

10. दलित मुक्ति के संदर्भ में महात्मा गाँधी और बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर के विचारों में क्या भिन्नता थी ? स्पष्ट कीजिए । *10*

ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

02915

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित' की परिभाषा देते हुए दलित चेतना आन्दोलन पर एक निबंध लिखिए । *10*

2. महात्मा जोतिबा फूले के सांस्कृतिक संघर्ष को रेखांकित कीजिए । *10*

3. निराला के साहित्य में अभिव्यक्त दलित जीवन की पड़ताल कीजिए । *10*

4. 'भारत के मूल निवासी की अवधारणा' पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

5. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के जाति-उन्मूलन सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. पेरियार द्वारा चलाए गए सामाजिक आन्दोलन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *10*

7. श्री नारायण गुरु के धार्मिक एवं स्त्री सम्बन्धी विचारों का उल्लेख कीजिए । *10*

8. दलित साहित्य के भाषिक महत्त्व को उद्घाटित कीजिए । *10*

9. दलित साहित्य द्वारा 'साहित्य की परम्परा' में किए गए हस्तक्षेप पर विचार कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) दलित आलोचना का स्वरूप

(ख) हीरा डोम की कविता 'अछूत की शिकायत'

(ग) प्रेमचंद की दलित संवेदना

(घ) स्वामी अछूतानन्द का योगदान

www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

03931

दिसम्बर, 2017

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित पैंथर आन्दोलन' और 'दलित साहित्य' के अन्त:सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दलित चिंतन के उद्‌भव और विकास पर एक निबंध लिखिए । *10*

3. महात्मा जोतिबा फूले के जीवन और साहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *10*

4. स्वामी अछूतानंद का परिचय देते हुए सामाजिक चेतना में उनके योगदान का आकलन कीजिए । *10*

5. डॉ. भीमराव आंबेडकर के नारी-सम्बन्धी चिंतन पर प्रकाश डालिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. श्री नारायण गुरु के द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों के महत्त्व पर विचार कीजिए । *10*

7. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के धम्म सम्बन्धी चिंतन की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए । *10*

8. 'दलित साहित्य का निहितार्थ' विषय पर एक निबन्ध लिखिए । *10*

9. "दलित साहित्य ने अपने लिए एक सर्वथा नई भाषा का सृजन किया है ।" भाषा अभिव्यक्ति की दृष्टि से इस कथन पर विचार कीजिए । *10*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) पेरियार ई.वी. रामास्वामी नायकर

(ख) 'हरिजन-गाथा'

(ग) निराला की दलित-दृष्टि

(घ) दलित आलोचना का योगदान

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिंन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

00205

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. 'दलित' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके अस्मितागत स्वरूप पर प्रकाश डालिए । *10*

2. दलित-साहित्य के आंदोलन की पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए । *10*

3. 'सत्यशोधक' समाज के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । *10*

4. समाज सुधार के संदर्भ में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के योगदान पर एक आलेख लिखिए । *10*

5. दलित साहित्य के विकास में अंबेडकरवादी विचारधारा के योगदान को स्पष्ट कीजिए । *10*

6. स्वामी अछूतानंद के रचनात्मक अवदान पर प्रकाश डालिए । *10*

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

7. प्रेमचंद के साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) महात्मा फुले का जीवन-संघर्ष

   (ख) श्रीनारायण गुरु

   (ग) पेरीयार ई.वी. रामास्वामी

   (घ) दलित साहित्य में आक्रोश

9. दलित साहित्य में व्यक्त स्त्री-समस्या पर एक आलेख लिखिए । *10*

10. दलित साहित्य में बौद्ध दर्शन की अभिव्यक्ति पर प्रकाश डालिए । *10*

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

01951

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. दलित साहित्य के वैचारिक आधार को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *10*

2. मराठी दलित साहित्य के विकास में अर्जुन डांगले के योगदान की चर्चा कीजिए । *10*

3. 'दोहरा अभिशाप' आत्मकथा के आधार पर स्त्री-मुक्ति के प्रश्न पर विचार कीजिए । *10*

4. नारायण गुरु द्वारा चलाए गए सामाजिक आंदोलन पर एक निबंध लिखिए । *10*

5. दलित आंदोलन में दलित साहित्य की भूमिका स्पष्ट कीजिए । *10*

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. दलित आत्मकथाओं के आधार पर भारतीय समाज में व्याप्त भेदभाव पर प्रकाश डालिए । *10*

7. प्रेमचंद और दलित कहानीकारों की कहानियों में व्यक्त दलित चेतना को रेखांकित कीजिए । *10*

8. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) नागार्जुन की दलित चेतना

   (ख) प्रेमचंद के नारी-संबंधी विचार

   (ग) वैकम सत्याग्रह

   (घ) अछूतानंद

9. सामाजिक बदलाव में दलित साहित्य की भूमिका को रेखांकित कीजिए । *10*

10. दलित आलोचना के परिदृश्य पर प्रकाश डालिए । *10*

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

02545

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के **अंक समान** हैं।

1. दलित पैंथर आन्दोलन और दलित साहित्य के अन्तःसम्बन्ध पर प्रकाश डालिए। [10]

2. दलित साहित्य की अवधारणा पर निबंध लिखिए। [10]

3. दलित साहित्य के विकास में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालिए। [10]

4. दलित साहित्य के विकास में निराला और नागार्जुन के योगदान पर प्रकाश डालिए। [10]

5. दलित साहित्य की भाषा का मूल्यांकन कीजिए। [10]

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. पेरीयार ई.वी. रामास्वामी नायकर के आत्मसम्मान आंदोलन की क्रांतिकारी भूमिका को स्पष्ट कीजिए। [10]

7. प्रेमचंद के साहित्य ने दलित साहित्य की पृष्ठभूमि तैयार की। विश्लेषण कीजिए। [10]

8. दलित साहित्य के मूल्यांकन के लिए अलग सौन्दर्यशास्त्र क्यों जरूरी है ? विश्लेषण कीजिए। [10]

9. दलित साहित्य में व्यक्त ग्रामीण जीवन पर एक आलेख लिखिए।

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [2×5=10]

(क) गौतम बुद्ध

(ख) हीरा डोम

(ग) दलित आलोचना

(घ) दलित साहित्य में स्त्री समस्या

----- x -----

ignou ASSIGNMENT GURU www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

3121

No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा, 2019

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे अधिकतम अंक : 50

नोट : निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।

ignou ASSIGNMENT GURU

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। [10]

www.ignouassignmentguru.com

2. दलित चिंतन के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। [10]

3. दलित साहित्य के विकास में प्रेमचन्द के योगदान पर प्रकाश डालिए। [10]

4. "दलित साहित्य के केन्द्र में बौद्ध दर्शन है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? स्पष्ट कीजिए। [10]

5. महात्मा ज्योतिबा फुले की मूल निवासी की धारणा पर प्रकाश डालिए। [10]

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

6. बाबा साहेब की विचारधारा ने दलित साहित्य में स्त्री समस्या को किस प्रकार प्रभावित किया है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [10]

7. दलित साहित्य के अखिल भारतीय स्वरूप पर विचार कीजिए। [10]

8. नारायण गुरू द्वारा स्थापित 'धर्म परिपालमयोगम' संस्था का सामाजिक चेतना में क्या योगदान रहा ? स्पष्ट कीजिए। [10]

9. दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्रीय प्रतिमानों पर प्रकाश डालिए। [10]

10. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : [2x5=10]

(क) अछूत की शिकायत

(ख) महाड़ सत्याग्रह

(ग) सावित्रीबाई फुले

(घ) दलित साहित्य में प्रकृति

----- x -----

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

No. of Printed Pages : 3

MHD-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. दलित साहित्य का आशय स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य आन्दोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10

P. T. O.

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

2. दलित साहित्य के प्रयोजन एवं सरोकारों की विवेचना कीजिए। 10

3. जाति-प्रथा के उन्मूलन के लिए डॉ. अम्बेडकर द्वारा सुझाए गए विचारों को रेखांकित करते हुए अपना मन्तव्य स्पष्ट कीजिए। 10

4. अछूतानन्द के सामाजिक सुधार आन्दोलन पर प्रकाश डालिए। 10

www.ignouassignmentguru.com

5. 'अछूत की शिकायत' कविता में अभिव्यक्त दलित चेतना के पहलुओं को स्पष्ट कीजिए। 10

6. दलित विमर्श की वैचारिकी और प्रेमचन्द की दलित चेतना के अन्त:सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए। 10

7. पेरियार के धार्मिक विचारों पर टिप्पणी कीजिए। 10

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

8. " 'हिन्दू कोड बिल' भारतीय हिन्दू स्त्री के प्रगति और उसके अधिकार का संवैधानिक कानून है।" विवेचना कीजिए। 10

9. दलित साहित्य आन्दोलन के समकालीन परिदृश्य पर विचार कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) निराला के दलित पात्र

(ख) दलित साहित्य की अवधारणा

(ग) सत्यशोधक समाज

(घ) डॉ. अम्बेडकर का नारी चिन्तन

ignou ASSIGNMENT GURU
www.ignouassignmentguru.com

2880

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. दलित चिन्तन के वैचारिक और दार्शनिक स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 10

2. ज्योतिबा फुले के जीवन संघर्ष की सम्यक विवेचना कीजिए। 10

3. भारतीय जाति व्यवस्था के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए डॉ. अम्बेडकर के तत्सम्बन्धी विचारों का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. सत्यशोधक आन्दोलन अपने समय के अन्य आन्दोलनों से किस प्रकार भिन्न है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

Download More:- https://www.ignouassignmentguru.com/papers

5. डॉ. अम्बेडकर के आन्दोलन को अछूतानन्द ने किस तरह समर्थन दिया है ? सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 10

6. निराला के दलित पात्र प्रेमचन्द के दलित पात्रों से किस तरह भिन्न हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

7. दक्षिण भारत में श्री नारायण गुरु के चिन्तन से निर्मित हुई स्त्री-मुक्ति की चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

8. "दलित आलोचना के सरोकारों में श्रम के सौन्दर्यशास्त्र की प्रतिष्ठा है।" विवेचना कीजिए। 10

9. पेरियार ई. वी. रामास्वामी नायकर के आत्मसम्मान आन्दोलन की क्रांतिकारी भूमिका की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता

(ख) गुलामगिरी

(ग) डॉ. अम्बेडकर का जाति उन्मूलन सिद्धान्त

(घ) ज्योतिबा फुले का नारी संबंधी चिन्तन

www.ignouassignmentguru.com